वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :5 अंक : 45 | सोमवार 9 जून 2025 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

घनश्याम तिवाड़ी के पोतों के उपनयन-संस्कार में पहुंचे रैवासा अग्रपीठाधीश्वर

कहा- यह मूल्यों की स्थापना का संस्कार; उप राष्ट्रपति, राज्यपाल, सीएम और गहलोत भी हुए शामिल

जयपुर. कासं। भाजपा के वरिष्ठ सदस्य और राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवाड़ी के पोतों के उपनयन संस्कार का कार्यक्रम आज आयोजित हुआ। श्याम नगर के हरिहर मंदिर में आयोजित कार्यक्रम में रैवासा अग्रपीठाधीश्वर राजेन्द्र दास महाराज भी पहुंचे और आशीर्वाद दिया। उन्होंने कहा कि उपनयन संस्कार हमारी सनातन परम्परा का अत्यंत महत्वपूर्ण संस्कार है, जो बालक के जीवन में आध्यात्मिक चेतना, अनुशासन और सांस्कृतिक मूल्यों की आधारशिला रखता है। उन्होंने उपनयन संस्कार को आत्मिक जागृति एवं मूल्यों की स्थापना का संस्कार बताया। कार्यक्रम में योग गुरु स्वामी रामदेव, मेहंदीपुर बालाजी महंत नरेश गिरी, प्रकाश दास महाराज, मोती डूंगरी गणेश मन्दिर के महंत कैलाश शर्मा आदि ने पहुंचकर बालकों को आशीर्वाद दिया। इनके अलावा कार्यक्रम में उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़, राज्यपाल हरिभाऊ बागडे, सिक्किम के राज्यपाल ओम प्रकाश माथुर, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी, पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, मंत्री झाबर सिंह खर्रा, बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़, पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ और पूर्व भाजपा प्रदेशाध्यक्ष अरूण चतुर्वेदी ने भी शिरकत की।

राज्यपाल बागडे ने उपराष्ट्रपति की अगवानी की

जयपुर. कासं। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने रविवार को उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के जयपुर पहुंचने पर हवाई अड्डे पर उनकी अगवानी की। राज्यपाल बागडे ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका भाव भरा स्वागत किया।

हाईकोर्ट का एक के बदले 10 पेड़ लगाने का आदेश

कहा- विकास के साथ पर्यावरण संरक्षण जरूरी, भविष्य की पीढ़ियों के लिए अहम फैसला

जयपुर. कासं

राजस्थान हाईकोर्ट ने शहर के सौंदर्यीकरण और सड़कों के विस्तार के लिए काटे जाने वाले पेड़ों की कटाई को लेकर अहम आदेश दिया हैं। अदालत ने कहा कि अगर पेड़ काटना जरूरी है तो सरकार एक पेड़ के बदले दस पेड़ लगाए। अदालत ने कहा कि यह आदेश सार्वजनिक हित में दिया जा रहा है ताकि भविष्य की पीढ़ियों को स्वच्छ और ऑक्सीजन युक्त वातावरण मिल सके। अदालत ने कहा कि पेड़ सालों तक समाज को मौन रूप से लाभ पहुंचाते हैं। इसलिए एक पेड़ के बदले दस पेड़ लाने की शर्त व्यापक जनहित में लगाई गई हैं। जस्टिस अनूप ढंढ की अदालत ने यह आदेश ज्ञानचंद सोनी व अन्य की ओर से दायर याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए दिया।

आसपास में लगाए छायादार पौधे

अदालत ने आदेश में कहा कि अगर सड़क के विस्तार और निर्माण के दौरान पौधों या पेड़ों को हटाने की आवश्यकता होती है, तो कोटपूतली नगर परिषद काटे जाने वाले पेड़ों और पौधों की गिनती करके उनकी सूची तैयार करेगा। हटाए गए प्रत्येक पेड़ या पौधे की जगह आस-पास के सार्वजनिक क्षेत्र में दस छायादार पौधे लगाएंगा। वहीं इस संबंध में न्यायालय में एक रिपोर्ट भी प्रस्तुत करेंगा। अधिवक्ता आशीष शर्मा ने बताया कि कोटपूतली में करीब तीन साल पहले नगर परिषद ने सड़क चौड़ी करने के नाम पर वैध रूप से संपत्ति के कब्जाधारकों को बेदखल कर दिया था। मास्टर प्लान में सड़क की चौड़ाई 60 फीट से कम है, लेकिन नगर परिषद अस्सी फीट से अधिक चौड़ी सड़क बना रहा हैं। याचिकाकर्ताओं के पास भूमि के पंजीकृत विक्रय पत्र है और कुछ परिवारों के पास खेतड़ी रियासत की ओर से जारी पट्टे भी हैं। लेकिन उनकी सुनवाई नहीं हो रही हैं। इस पर फैसला देते हुए अदालत ने मास्टर प्लान को योजनाबद्ध विकास का दस्तावेज बताते हुए कहा कि यह व्यापक जनहित के लिए होता है, इसे प्राधिकरण की मर्जी या किसी व्यक्ति के हित में नहीं बदला जा सकता। अदालत ने सरकार को निर्देश दिया कि इस मामले में 15 दिन में कमेटी गठित की जाए, जो प्रभावितों के स्वामित्व के मामलों पर सुनवाई करे। यदि किसी के पास वैध दस्तावेज हैं और सड़क चौडी करने के लिए जमीन लेना आवश्यक है तो उसे डीएलसी रेट से भुगतान किया जाए या सरकारी योजना के तहत बदले में दूसरी भूमि आवंटित की जा सकती है।

अंतराष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन यूथ विंग जिला जयपुर द्वारा वृक्षारोपण एवं जीवदया परिंडा कार्यक्रम सम्पन्न

यूथ विंग अध्यक्ष तरुण जैन ने बताया कि कार्यक्रम में मुख्य अतिथि अशोक यादव, पूर्व अध्यक्ष मंडल सांगानेर विधान सभा, श्रीमती हेमा सुनील सिंघानिया पार्षद वार्ड न. 74 ग्रेटर, श्री गिरिराज शर्मा पार्षद वार्ड न. 87 मौजूद रहे।

जयपुर. शाबाश इंडिया। अंतराष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन यूथ विंग जिला जयपुर द्वारा आज दिनांक 8 जून को दादू दयाल क्रिकेट एरेना में वृक्ष है तो जीवन है को साक्षात करते हुए वृक्षारोपण एवं भीषण गर्मी में बेजुबान पक्षियों हेतु जीवदया परिंडा कार्यक्रम सम्पन्न किया गया। यूथ विंग अध्यक्ष तरुण जैन ने बताया कि कार्यक्रम में मुख्य अतिथि अशोक यादव, पूर्व अध्यक्ष मंडल सांगानेर विधान सभा, श्रीमती हेमा सुनील सिंघानिया पार्षद वार्ड न. 74 ग्रेटर, श्री गिरिराज शर्मा पार्षद वार्ड न. 87 मौजूद रहे। इनके अलावा मुख्य अतिथि के रूप में अंतराष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन के गोपाल प्रसाद गुप्ता, महामंत्री, ध्रुव दास अग्रवाल प्रभारी, मनीष गुप्ता, अध्यक्ष यूथ विंग, श्रीमती चारु गुप्ता, प्रदेश महिला अध्यक्ष, श्रीमती सीमा सेठी, प्रदेश महिला महामंत्री, संजय पाबूवाल, महामंत्री जयपुर जिला, अनिल जैन, अध्यक्ष रोटरी क्लब, श्रीमती सुषमा माहेश्वरी, जिला महिला महामंत्री यूथ विंग के अंकुर अग्रवाल, महामंत्री, ऋषभ जैन, सौरभ खंडेलवाल, श' गौरव जैन उपस्थित रहे। कार्यक्रम में आगामी 5 जुलाई को अंतराष्ट्रीय स्तर ओर राजस्थान में सभी जिलों पर ओर जयपुर शहर में सभी वार्डो में संस्था द्वारा ब्लड डोनेशन कैंप लगाने पर भी चर्चा की गई। कार्यक्रम में आए हुए सभी अतिथियों का दुपट्टा और माला पहनाकर स्वागत किया गया और सभी आएं हुए अतिथियों को परिंडे वितरित किए गए। अंत में अल्पाहार के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया। **तरुण जैन, अध्यक्ष**

@... पेज 3 पर

वृक्षारोपण एवं जीवदया परिंडा कार्यक्रम सम्पन्न

निर्जला एकादशी के अवसर पर शरबत पिलाया

जयपुर. शाबाश इंडिया

गोपाल सेवा भाव ट्रस्ट की तरफ से, हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी निर्जला एकादशी के अवसर पर, कपिल पचौरी के प्रतिष्ठान (कैफे हाउस, सेक्टर 5,शॉपिंग कॉम्प्लेक्स) के बाहर गंगा मार्ग पर राहगीरों को मिल्क रोज वितरण का कार्यक्रम आयोजित किया गया। ट्रस्ट के मीडिया प्रभारी डा अशोक दुबे ने बताया कि इस अवसर पर डा अखिल शुक्ला, (अध्यक्ष हिंदी प्रचार प्रसार संस्थान), डा सुरेंद्र शर्मा, (लेखक साहित्यकार), भवानी शंकर शर्मा, जी ने बाबा श्याम की विधिवत पूजा अर्चना कर प्रसादी वितरण की विधिवत शुरूआत की। इस अवसर पर कपिल पचौरी, अमित मिश्रा भुवनेश्वर, मनीष शर्मा, दीपक कराड़िया, पुनीत जैन, सत्यनारायण गुप्ता, करन, देवा, विकाश, अश्विनी, प्रिंस, एवं कॉलोनी निवासियों का पूर्ण सहयोग रहा।

वेद ज्ञान

परिवर्तन में विश्वास...

मूल्यांकन की इच्छा मानव में निरंतर उपजती रहती है। अनजान व्यक्ति से मिलने पर क्षणभर में पूर्ण जीवन कथा जानने की छटपटाहट बड़ा संकट उत्पन्न करती है। सामने वाले को तत्काल प्रभाव में लेने की शीघ्रता समस्या बढ़ाती है। किसी से पलक झपकते ही सर्वस्व ज्ञात करने का सूत्र अभी तक ज्ञात नहीं है। जिसे जिस क्षेत्र का कोई ज्ञान नहीं रहता वह उसी क्षेत्र का यक्ष प्रश्न करता है। शिक्षा संस्थाओं में विषय अनिवार्यता के अलावा अनेक क्षेत्र में धनोपार्जन करने के लिए नए-नए मार्ग खोजे गए हैं। परिश्रमी की भीड़ से अलग सफलता का सार्थक मानदंड खोजने वाले नियम परिवर्तन में विश्वास रखते हैं। समान योग्यता वालों में किसी को सेवा का अवसर मिलने पर ऊंचाई का शिखर मिलते देर नहीं लगती। द्वार से भगाए गए तुलसी की भांति गुरु नरहरिदास की खोज में जीवन गुजर जाता है। वरदानदाता के लिए पैर पकड़कर पीछे खींचने वाले भस्मासुर बन जाते हैं। अपनी सीमा से अधिक कोई पचाना नहीं जानता। समय की आंच में तपकर निखरना सामान्य व्यक्ति के बस की बात नहीं है। पग-पग पर प्रतिकूलता से जूझने वाले लोहा लेते-लेते पारस पत्थर बन जाते हैं। कोयला अधिक ताप के दबाव में हीरा बनकर गौरवान्वित होता है। संकट सहते-सहते सामान्य मनुष्य महापुरुष बन जाता है। प्रशंसा का प्रोत्साहन कृतज्ञता बढ़ाता है। कृतज्ञता योग्यता पहचानने का तत्व है। उगते सूर्य को सभी प्रणाम करते हैं, पर अस्ताचल में जाते सूर्य को छठ पर्व में ही अर्घ्य चढ़ता है। पद का संबंध योग्यता से है। योग्य के स्थान पर अयोग्य को पद थोपकर योग्यता बढ़ाई जाती है। पद को भगवान बनाने के कारण अहंकार में वृद्धि होती है। प्रयास के बगैर प्राप्त फल अकर्मण्यता का पोषक है। अयोग्यता स्वयं से श्रेष्ठ को नकारती है। हाथी की पग-पग पर पूजा ही श्वान का दुख बढ़ाती है। दुर्जन सज्जनता को कायरता मानते हैं। सज्जन निश्छल परिश्रम में जीते हैं। प्रश्न पर अतार्किक प्रश्न करना मूर्खता का प्रतीक है। हर बात में प्रश्न अर्थ का अनर्थ करता है। भरत चित्रकूट में कहते हैं, 'योग्यता के अनुसार मुझे शिक्षा दी जाए।' योग्यता का अर्थ धन, पद नहीं, बल्कि त्याग है। औषधि की चर्चा नहीं, बल्कि औषधि रोगी के लिए उपयोगी है।

संपादकीय

विकास के नए दौर का आगाज

जम्मू-कश्मीर में विकास के नए दौर का आगाज हो गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दुनिया के सबसे ऊंचे रेल पुल का उद्घाटन करके कश्मीर को शेष भारत से बहुत मजबूती के साथ जोड़ दिया है। इसमें कोई दो राय नहीं कि दुनिया का यह खास पुल भारत में बुनियादी ढांचा के विकास के मोर्चे पर एक बेहतरीन मिसाल है। यह वास्तव में हाशिये पर छूटे भारत को मुख्यधारा के भारत से सतत जोड़ने वाला सेतु है। अब किसी भी मौसम में श्रीनगर जाने

में कोई परेशानी नहीं होगी और इससे बेशक, कश्मीर के व्यापक विकास को बल मिलेगा। यह उधमपुर-श्रीनगर-बारामुला रेल लिंक परियोजना उन तमाम लोगों को संदेश भी है, जो कश्मीर में ऐसे किसी पुल की कल्पना भी नहीं कर पाते थे। यह पुल अलगाववाद और उसकी साजिशों का मुंहतोड़ जवाब भी है, इसकी जितनी प्रशंसा की जाए, कम होगी। चेनाब नदी पर भारत ने जो निर्माण किया है, वह वास्तु और इंजीनियरिंग का भी नमूना है, इससे कश्मीरवासियों को बहुत प्रेरणा मिलेगी, मुख्यधारा में आने के लिए उनका मनोबल बढ़ेगा। अब कटरा और श्रीनगर के बीच दो वंदे भारत एक्सप्रेस चलेगी। अन्य रेलगाड़ियों का भी संचालन होगा। आश्चर्य नहीं कि एफिल टॉवर से भी 35 मीटर ऊंचे इस पुल के आकार-प्रकार की चर्चा घर घर में हो रही है। इस रेल लिंक के रास्ते में 36 सुरंगें और 943 पुल पड़ेंगे, जिससे इस रूट पर एक सफर भी हमेशा के लिए यादगार हो जाएगा। प्रधानमंत्री ने ठीक ही कहा है कि यह रेल लिंक कश्मीर में गतिशीलता को बदल देगा, समृद्धि लाएगा और कश्मीरियों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार करेगा। ध्यान रहे, ऐसा कोई दूसरा रेल रूट अपने देश में नहीं है। यह रेल रूट देश का एक सपना है, जो 1970 के दशक के आखिर में देखा गया था। इसकी पहली नींव साल 1983 में ही डाली गई थी और उसके अगले दशक में काम शुरू हुआ। हम यह कह सकते हैं कि जम्मू से श्रीनगर को रेल संपर्क से जोड़ने की यह कामयाबी कम से कम तीस साल की मेहनत का नतीजा है। इस सपने को साकार करने में अनेक सरकारों का योगदान है। यह एक प्रमाण है कि बदलती सरकारों के बावजूद एक देश कैसे विकास के पथ पर लगातार आगे बढ़ता है। ऐसे विकास के कार्यों में राजनीति को कभी बाधक नहीं बनना चाहिए और आज कश्मीर में इस पुल व रेल लिंक के प्रति जो जोश है, वह वहां अगर तरक्की के जुनून में बदल जाए, तो जन्नत जैसे कश्मीर की रौनक में चार चांद लग जाएंगे। कश्मीर के लोगों को अक्सर यह शिकायत रहती थी कि सर्दियों के मौसम में बर्फ की वजह से जम्मू से संपर्क लगभग टूट जाता है। यह शिकायत जब दूर हो गई है, तब आने वाले दिनों में कश्मीर की तरक्की तेज हो जाएगी, बाकी देश के साथ उसका जुड़ाव बढ़ जाएगा। नए आर्थिक-सामाजिक निवेश के रास्ते खुलेंगे। अब वहां के लोगों को यह समझना होगा कि भारत सरकार वहां विकास के लिए कितनी समर्पित है।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

प्रतिस्पर्धी हवाई अड्डे जरूरी

एमिरेट्स के प्रेसिडेंट टिम क्लार्क और इंडिगो के मुख्य ए कार्याधिकारी (सीईओ) पोटर एल्बर्स के बीच द्विपक्षीय हवाई सेवा समझौतों को लेकर हालिया असहमति यह दिखाती है कि पश्चिम एशिया की सरकारी विमानन कंपनियों और भारत के निजी क्षेत्र द्वारा संचालित विमानन उद्योग के बीच प्रतिस्पर्धा में तेजी आ रही है। अंतरराष्ट्रीय हवाई परिवहन महासंघ (आईएटीए) की सालाना आम बैठक में पश्चिम एशिया की सबसे बड़ी विमानन सेवा के प्रमुख क्लार्क ने विदेशी विमानन कंपनियों के साथ द्विपक्षीय सीट समझौते को लेकर प्रतिबंधात्मक नीतियों के लिए भारत सरकार की आलोचना की थी। कंपनी भारत और दुबई के बीच सीट क्षमता को 65,000 प्रति सप्ताह से बढ़ाकर 1,40,000 प्रति सप्ताह करना चाहती थी। भारत सरकार ने अपनी दलील में कहा कि उसे उन विमानन कंपनियों के अनुचित लाभ पर कदम उठाना होगा जो अपने सरकारी हवाई अड्डों के माध्यम से अधिक यात्रियों को अमेरिका और यूरोप के लिए संपर्क वाली उड़ानों में ले जाने की क्षमता रखती हैं और इससे भारतीय विमानन कंपनियों की लंबी दूरी की उड़ानों पर असर पड़ रहा है। इंडिगो के सीईओ ने क्लार्क की आलोचना को नकारते हुए कहा कि भारत सरकार का रुख ह्यनिष्पक्ष और संतुलित है। इन दोनों की राय के बीच भारतीय विमानन कंपनियों को अंतरराष्ट्रीय संपर्क के लिहाज से रणनीतिक बदलाव के लिए सक्षम बनाने का सवाल बना हुआ है। एक नजरिये से देखें तो भारत सरकार का रवैया संरक्षणवादी माना जा सकता है। परंतु घरेलू विमानन कंपनियों का तर्क है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में उनके विस्तार को भारतीय हवाई अड्डों को हब के रूप में विकसित करने के व्यापक प्रश्न के हिस्से के रूप में देखा जाए। यहां बात यह है कि भारतीय विमानन उद्योग अंतरराष्ट्रीय संपर्क में महत्त्वपूर्ण इजाफा करना चाहता है। वर्ष 2023 में टाटा के स्वामित्व वाली एयर इंडिया ने एयरबस और बोइंग से 470 विमान खरीदने का विशाल ऑर्डर दिया। इसके बाद उसने गत वर्ष एयरबस को 100 और विमानों का ऑर्डर दिया। इंडिगो ने इस सप्ताह चौड़े आकार वाले एयरबस विमानों के ऑर्डर को दोगुना करके 60 कर दिया। इससे पहले उसने 2023 में 500 विमानों का ऑर्डर दिया था। इसमें कोई शक नहीं है कि ये विमानन कंपनियां जीवंत और बढ़ते विमानन बाजार में अंतरराष्ट्रीय विमानन कंपनियों से मुकाबला कर सकती हैं। उनका यह कहना सही है कि ऐसा करना इस बात पर बहुत अधिक निर्भर है कि भारत के प्रमुख हवाई अड्डों को केंद्र के रूप में विकसित किया जाए जो खाड़ी देशों के ऐसे मजबूत केंद्रों का मुकाबला कर सकें। एक पूर्व-पश्चिम केंद्र के रूप में विकसित होने के लिए भारत के अतीत के प्रयास इन दोनों मोर्चों पर विफल रहे हैं। भारत में 34 अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे और 124 घरेलू हवाई अड्डे हैं। इनमें से केवल दिल्ली ही एशिया प्रशांत और पश्चिम एशिया के शीर्ष 10 हवाई अड्डों में आता है। मुख्य रूप से ऐसा संपर्क के मामले में है, न कि अधोसंरचना की गुणवत्ता और सेवाओं के मामले में। इसके अलावा बैगेज प्रबंधन, सीमित टर्मिनल क्षमता और अपर्याप्त रनवे आदि भारतीय हवाई अड्डों की आम समस्याएं हैं। दिल्ली देश का इकलौता हवाई अड्डा है जहां चार लगभग समांतर रनवे हैं। मुंबई में दो ऐसे रनवे हैं जो एक दूसरे को काटते हैं।

दो दिवसीय स्मार्ट गर्ल कार्यशाला का हुआ भव्य आयोजन

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। जहाज मंदिर जहाजपुर में आर्यिका श्री स्वस्ती भूषण माताजी की निश्रा में बीजेएस पुणे के तत्वावधान दो दिवसीय स्मार्ट गर्ल्स कार्यशाला का भव्य आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में पूरे भारत इंदौर,सूरत,कोटा, पिड़ावा, भीलवाड़ा एवं जहाजपुर सहित लगभग 50 शहरों से लगभग 350 बच्चियों एवं साथ ही उन सभी बच्चियों के माता पिता ने भाग भी लिया। कार्यक्रम का प्रारूप एवं संरचना निर्धारण में इंदौर से पधारे हुए हसमुख भाई गांधी और शरद भाई पानोत का प्रमुख सहयोग रहा। बहुत ही भव्य एवं सुंदर आयोजन में जहां देश भर से आई बालिकाओं को स्मार्ट गर्ल्स ट्रेनिंग के 7 सेशन में आत्मविश्वास आत्म निरीक्षण आत्म सुरक्षा जैसे आयामो को जागृत किया गया। छः जून को हुए समापन समारोह में शिरकत करने हेतु जहाजपुर पधारने वालों में भारतीय जैन संघटना के पदाधिकारीगण नंदकिशोर सांखला-राष्ट्रीय अध्यक्ष,डॉ पंकज चोपड़ा- राष्ट्रीय महासचिव,प्रदीप संचेती-राष्ट्रीय सचिव (राजस्थान प्रभारी) दीपक चोपड़ा, राष्ट्रीय सचिव श्रीमती हर्षिता जैन, नेशनल हेड, स्मार्ट गर्ल,आतिश लोढ़ा-राज्य महासचिव राजस्थान प्रान्त उपाध्यक्षा पुष्पा गोखरू भीलवाड़ा,अनिता जैन कोटा स्टेट फाउंडेशन प्रोग्राम हेड अनुराधा चौधरी आदि प्रमुख रहे। इस कार्यशाला में जहां बालिकाओं के लिए 2 दिन में 7 सेशन थे वही दोनों दिन पेरेंट्स के लिए भी सेशन रखे गए कि हमारी बेटियां किस प्रकार से सशक्त हो बदलते परिवेश में जहां बालक बालिकाओं का भौतिक स्तर शारीरिक क्षमता लक्ष्य निर्धारण आदि सभी कुछ बदले हैं तो अभिभावकों को भी समझाया गया कि किस प्रकार अपने आप को उनके अनुरूप ढाल कर और उनके भविष्य को लेकर दिशा निर्देशों का निर्धारण करें। समापन में मुख्य वक्ता के रूप में बोलते हुए ज्योति जोशी ने कहा कि बालिकाओं को मजबूत स्तम्भ के रूप में परिवार की रीढ़ बनने का संदेश दिया। राजकीय अतिथि के रूप में गोपीचंद मीणा विधायक जहाजपुर,श्रीमती सरोज बैसला जिला प्रमुख टोंक, नरेंद्र पारीक डिप्टी एसपी जहाजपुर, श्रीमती कनिष्का यादव जज, किशोर शर्मा प्रधान, राजकुमार नायक सी आई जहाजपुर आदि कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। स्वस्ति धाम के प्रबंधक जय कुमार कोठारी, धनराज, दानमल ,भानु कुमार, महावीर, लक्ष्मी लाल, पारस आदि का सक्रिय सहयोग रहा। दो दिवसीय कार्यशाला में भीलवाड़ा बीजेएस चैप्टर का भी सहयोग रहा जिनमे संरक्षक आर एल टुकलिया अध्यक्ष, अनिल कोठारी, सुशील चपलोत, भूपेन्द्र पगारिया, महिला विंग अध्यक्ष मधु लोढ़ा, महामन्त्री किरण सेठी आदि ने भाग लिया। कार्यक्रम के मुख्य आधार स्तंभ 360 से अधिक बालिकाएं ने इस वर्कशॉप में भाग लिया साथ ही उनके सभी के माता-पिता भी वहां उपस्थित थे उनके लिए अलग सेमिनार का आयोजन रखा गया जिसका विषय था सुखी परिवार ही हमारा आधार स्तंभ है और उनको ट्रेनिंग देने वाले विभिन्न स्थानों से पधारे हुए ट्रेनर उदयपुर से धीरेंद्र मेहता , भीलवाड़ा से मधु लोढ़ा , कोटा से अनीता जैन, पाली से राजेंद्र जैन, हिंडौन सिटी महाराष्ट्र से रत्नाकर महाजन, सूरत से हर्षिता जैन,रुपाली जैन, बड़ोदरा से जागृति काला, राजेंद्र भूतड़ा, महाराष्ट्र,इंदौर से प्रीति मुथा सहित 10 चैनल ने 10 कक्षाओं का संपादन किया। पुणे हेड ऑफिस सीमा शिंदे,प्राची भी इस अवसर पर उपस्थित रहे। स्मार्ट गर्ल कार्यशाला का राजस्थान में पहली बार जैन बेटियों के लिए यह कार्यक्रम स्वस्ति श्री जी महाराज साहब के सानिध्य में व उनके आशीर्वाद से बहुत ही सफलतापूर्वक संपादित हुआ।

मंगल विहार गोपालपुरा में परिंडा महोत्सव का आयोजन किया

जयपुर. शाबाश इंडिया

ह्यूमन ग्लोरी फाउंडेशन व मंगल विहार विकास समिति द्वारा दिनांक 8 जून 2025 को शिव हनुमान मंदिर मंगल विहार गोपालपुरा में परिंडा महोत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि हरीश मल्होत्रा व विशिष्ट अतिथि गिरधारी अग्रवाल रहे । कार्यक्रम संयोजक अनिल खूंटेटा रहे। इस अवसर पर स्टार हॉस्पिटल के डायरेक्टर डॉ राकेश केदावत और उनकी टीम ने ह्यूमन ग्लोरी फाउंडेशन के संस्थापक अध्यक्ष प्रमोद जैन भँवर व अन्य पदाधिकारियों उपाध्यक्ष आशा शर्मा, सहसचिव डॉ राज टॉक, कोषाध्यक्ष मनीषा जैन का उनके सामाजिक सेवा कार्य हेतु दुपट्टा, मेडिकल किट व पौधा देकर सम्मानित किया व सभी को अधिक से अधिक वृक्ष लगाकर पर्यावरण संरक्षण में अपना योगदान देने की अपील की। मनीषा जैन ने बताया कि कार्यक्रम में मंदिर समिति अध्यक्ष हरीश मल्होत्रा ,राष्ट्रीय सेवा योजना से दिनेश गुप्ता, उषा , प्रिया सोनी पूजा सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

जयपुर के जैन धार्मिक स्थलों के डाक्यूमेंटेशन एवं डिजिटाइजेशन कार्यक्रम का शुभारंभ

जेस जयपुर साउथ चैप्टर ने हाथ में लिया एक महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट

जयपुर. शाबाश इंडिया

जैन इंजीनियर्स सोसायटी इन्टरनेशनल फाउंडेशन की एक महत्वपूर्ण गतिविधि जैन धार्मिक स्थलों के डॉक्यूमेंटेशन एवं डिजिटाइजेशन के क्रियान्वयन के क्रम में जेस जयपुर साउथ चैप्टर द्वारा जयपुर शहर के जैन मंदिर एवं अन्य धार्मिक स्थलों के दस्तावेजों की सूचना एकत्रीकरण की महत्वपूर्ण परियोजना (प्रोजेक्ट) का विधिवत शुभारंभ दिनांक 8 जून, 2025 (रविवार) को हुआ। जेस जयपुर साउथ चैप्टर ने इस परियोजना के क्रियान्वयन हेतु इंजी. मनोज कुमार जैन के संयोजन में एक समिति का गठन किया है जिसमें इंजी. राजेश कुमार बगडा एवं इंजी. महेश कुमार जैन सदस्य हैं । इंजी. देवेन्द्र मोहन जैन को समिति का सलाहकार बनाया गया है। यह समिति जैन मंदिरों की व्यवस्थापन समितियों से सम्पर्क कर मंदिर के दस्तावेजों एवं अन्य उपलब्ध संसाधनो के बारे में सूचनाएं संकलित करेगी एवं इनका विश्लेषण कर आवश्यक कार्रवाई हेतु सलाह देगी व सहयोग करेगी। जेस जयपुर साउथ चैप्टर की प्रोजेक्ट समिति की टीम ने परियोजना शुभारंभ के दिन श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर गोखले मार्ग, सी- स्किम, जयपुर की व्यवस्थापन समिति के अध्यक्ष एवं ट्रस्टी दोलत राम जैन एवं अन्य पदाधिकारीगण से विस्तृत चर्चा कर मंदिर के दस्तावेजों एवं उपलब्ध संसाधनों के बारे में आवश्यक सूचनाऐं प्राप्त की । जैन ने जेस फाउंडेशन की इस गतिविधि की महति आवश्यकता एवं उठाए गये कदम पर अपनी शुभकामनाएं देते हुए इस कार्य हेतु अपना सक्रिय सहयोग देने का आश्वासन दिया। परियोजना समिति ने मंदिर व्यवस्थापन समिति एवं इस कार्य में अपना सहयोग देने वाले इंजी. राकेश कुमार बगडा को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए अपने प्रथम दिन के कार्य का समापन किया। यह समिति अगले रविवार को मालवीय नगर क्षेत्र के जैन मंदिर एवं अन्य धार्मिक स्थलों के डॉक्यूमेंटेशन कार्य हेतु संबंधित व्यवस्थापन समितियों से सम्पर्क करेगी।

आचार्य विनम्रसागर महाराज ने मुनि दीक्षा दिवस पर दिया मार्गदर्शन

सरकार न्याय, नीति और धर्मानुरूप शासन करे तो शांति रहेगी

सनावद. शाबाश इंडिया। नगर में विराजित प्रमुख दिगंबर जैन संत उच्चारणाचार्य श्री विनम्र सागर महाराज के 23वें मुनि दीक्षा दिवस के अंतर्गत चल रहे तीन दिवसीय गुरु उपकार दिवस के तृतीय दिन आचार्य जी ने अपने त्यागमय जीवन के साथ देश, समाज और व्यक्ति के कर्तव्यों पर पार्श्व ज्योति मंच के अध्यक्ष डॉ नरेंद्र जैन भारती एवं उपस्थित जनों से विशेष चर्चा में बताया कि सरकार धर्म, न्याय और नीति पूर्वक शासन करे, संविधान के नियमों का पालन करे तो देश किसी भी परिस्थिति में परेशान नहीं रहेगा और देश में शांति रहेगी। उपरोक्त जानकारी देते हुए प्रियम जैन एवं धीरेंद्र बाकलीवाल ने बताया कि समाज में एकता के लिए आचार्य जी ने बताया कि एक सूत्र में यदि किसी भी समाज के व्यक्ति बंधे रहेंगे तो धार्मिक आयोजन तथा सामाजिक कार्य सफलता के साथ होंगे जिससे नैतिक और आध्यात्मिक गुणों का विकास होगा। प्रत्येक व्यक्ति का यह कर्तव्य है कि अन्न का एक ग्रास भी थाली में न छोड़ें। यदि व्यक्ति अन्न का एक टुकड़ा भी छोड़ता हैं तो मुझे बड़ा दुःख होता है। लोग आडंबर रहित सरसता के साथ मिलजुल कर कार्य करेंगे तभी देश,समाज और व्यक्तिगत उन्नति होगी। व्यक्ति को स्वार्थी न बनकर समझदारी से कार्य करना चाहिए। अलग-अलग धार्मिक मान्यताओं के बीच रहकर व्यक्ति को समन्वय बनाकर कार्य करना चाहिए। परम पूज्य समाधिस्थ गणाचार्य श्री विराग सागर महाराज से आज से 22 वर्ष पूर्व मुनि दीक्षित पूज्य आचार्य जी ने अपने वैराग्य मय जीवन के संबंध में बताया कि शास्त्र, स्वाध्याय, अध्ययन, साधु - समागम के कारण आत्म चिंतन ने मुझे दिगंबर मुनि दीक्षा ग्रहण करने के लिए प्रेरित किया। अतः सन् 1988 में ब्रह्मचर्य व्रत ग्रहण,सन- 1991 में पन्ना में सप्तम प्रतिमा, 21 नवंबर 1991 में श्रेयांशगिरि तीर्थ पर दशम प्रतिमा, 1992 में द्रोणगिरि में ऐलक दीक्षा के बाद उत्तर प्रदेश के ललितपुर में 50000 लोगों की साक्षी में आपने 21 दीक्षार्थियों के साथ मुनि दीक्षा ग्रहण की।

जेएसजी स्पार्कल ब्यावर ने बच्चों के लिए किया शानदार पूल पार्टी का आयोजन

अमित गोधा. शाबाश इंडिया

ब्यावर। जेएसजी स्पार्कल ब्यावर ने शुक्रवार वृंदावन गार्डन, जवाहर भवन रोड पर बच्चों के लिए एक भव्य पूल पार्टी का सफल आयोजन किया। इस रंगारंग कार्यक्रम में बच्चों ने पूल में खूब धमाल मचाया, मस्ती की और पानी के खेल का भरपूर आनंद लिया। उनके चेहरों पर बिखरी खुशी देखते ही बन रही थी। इस कार्यक्रम के सफल आयोजन में अध्यक्ष पीयूष रांका, सचिव प्रवीण मकाणा, और कोषाध्यक्ष उज्जवल काला का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम के समापन के बाद सभी बच्चों के लिए स्वादिष्ट नाश्ते की भी व्यवस्था की गई थी। बच्चों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए, आयोजन में अभिभावकों की उपस्थिति अनिवार्य रखी गई थी, जिसमें सभी ने पूरे उत्साह के साथ सहयोग किया। इस आयोजन में घर आए मेहमान बच्चों को भी शामिल किया गया, जिससे बच्चों की खुशियां दोगुनी हो गईं। इस सफल आयोजन के कार्यक्रम समन्वयक नवीन बागरेचा रहे।

भारतीय जैन संघटना द्वारा पर्यावरण दिवस पर हुए अनेक कार्यक्रम

राजेश रागी बकस्वाहा. शाबाश इंडिया

जबलपुर। पर्यावरण दिवस के अवसर पर भारतीय जैन संगठना (बीजेएस) के द्वारा गहन वृक्षारोपण कार्य, तालाबों की साफ सफाई एवं संगोष्ठी का आयोजन विभिन्न स्थानों पर किया गया। बीजेएस मध्य प्रदेश ईस्ट के अध्यक्ष डॉ रजनीत जैन, महामंत्री डॉ विमल जैन, प्रदेश मंत्री डॉ यतीश जैन द्वारा बताया गया की डीएन जैन बोर्डिंग चैप्टर जबलपुर रीजन के द्वारा जबलपुर पाटन रोड पर ग्राम सिमरिया में स्थित तालाब में साफ सफाई का कार्य किया गया , तालाब के संरक्षण के संबंध में विस्तार से ग्रामीण जनों को जानकारी दी गई एवं औषधीय पौधों के संबंध में लोगों को प्रेरित किया। इसी प्रकार पाटन तहसील के अंतर्गत ग्राम खमोद मे वृक्षारोपण का कार्य एवं संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इसके साथ ही ग्राम बरौदा हडा में भी वृक्षारोपण का कार्य किया गया। डॉ जैन द्वारा अपने उद्बोधन में बताया गया कि वर्ष 2025 प्लास्टिक का अंत संबंधी विषय संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा विश्व भर के लिए दिया गया है। प्लास्टिक के दुष्प्रभाव के बारे में विस्तार से बताया गया एवं पुनः चक्रीकरण के साथ-साथ प्लास्टिक का कैसे पुनः उपयोग में किया जा सकता है , इसके बारे में जानकारी दी गई। कार्यक्रम के दौरान ईको ब्रिक्स प्लास्टिक की खाली बोतलों से कैसे बना सकते हैं। कपड़ों की थैली का उपयोग को व्यवहार में लाना होगा। सौर ऊर्जा ही आने वाला समय में एकमात्र ऊर्जा का स्त्रोत रहेगा। डॉ यतीश जैन द्वारा अपने उद्बोधन में बताया कि प्लास्टिक के कारण बहुत तेजी से बंजर भूमि बढ़ रही है उसे रोकने के लिए हमें इसका न्यूनतम उपयोग करना चाहिए। इस अवसर पर संस्था के डॉ यतीश जैन, आनंद, अनिल, निशित, श्रीमती ज्योति जैन, श्रीमती नीलांजना जैन, श्रीमती रचना जैन आदि उक्त कार्यक्रमों में सम्मिलित रहे। वरिष्ठ पत्रकार राजेश रागी रत्नेश जैन बकस्वाहा

महावीर पब्लिक स्कूल के छात्रों ने फोर्टिस एस्कॉर्ट्स अस्पताल में समर इंटर्नशिप में लिया भाग

जयपुर. शाबाश इंडिया

मनोविज्ञान के क्षेत्र में विद्यार्थियों को व्यावहारिक अनुभव प्रदान करने और उन्हें व्यापक दृष्टिकोण प्रदान करने के उद्देश्य से महावीर पब्लिक स्कूल के 15 छात्रों ने फोर्टिस एस्कॉर्ट्स अस्पताल,मालवीय नगर द्वारा आयोजित 6 दिवसीय समर इंटर्नशिप में सफलतापूर्वक भाग लिया। जून माह में आयोजित इस इंटर्नशिप का संचालन हाइब्रिड मोड (ऑफलाइन/ऑनलाइन) में किया गया, जिसमें विशेषज्ञ मनोवैज्ञानिकों और मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में छात्रों को गहन ज्ञान प्रदान किया गया। इस इंटर्नशिप का उद्देश्य छात्रों को मानसिक स्वास्थ्य, मनोवैज्ञानिक विकारों और व्यावहारिक उपचार विधियों की समझ विकसित कराना था। इन छह दिनों के दौरान, छात्रों ने एक संरचित कार्यक्रम में भाग लिया जो विभिन्न मानसिक स्वास्थ्य विषयों पर केंद्रित था। छात्रों ने इस अनुभव को ''आंखें खोलने वाला'' और 'प्रेरणादायक' बताया और कहा कि इस इंटर्नशिप ने कक्षा में प्राप्त सैद्धांतिक ज्ञान को वास्तविक जीवन के अनुभवों से जोड़ने में मदद की। विद्यालय की प्राचार्या श्रीमती सीमा जैन ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम न केवल शैक्षणिक समझ को सुदृढ़ करते हैं, अपितु छात्रों में सहानुभूति और मानसिक स्वास्थ्य के प्रति गहरी जागरूकता भी विकसित करते हैं। महावीर पब्लिक स्कूल हमेशा इस बात के लिए प्रतिबद्ध है कि वह अपने छात्रों को प्रायोगिक शिक्षण के अवसर प्रदान करे, ताकि वे अपने चुने हुए क्षेत्रों में सार्थक योगदान दे सकें।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com | weeklyshabaas@gmail.com

प्रतिष्ठा महोत्सव में कर्नाटक जाट समाज का हुआ सम्मान

मदुरै तमिलनाडु. शाबाश इंडिया

श्री मदुराई राजस्थानी सेवा समाज ट्रस्ट द्वारा नवनिर्मित श्री अम्बे माताजी मंदिर में अम्बे माँ मूर्ति प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव के दौरान ट्रस्ट मंडल के विशेष आमंत्रण पर बैंगलोर से कर्नाटक जाट समाज के पदाधिकारी गण महोत्सव में उपस्थित हुए। मीडिया प्रभारी दिनेश सालेचा ने बताया कि तीन दिवसीय कार्यक्रम में प्रतिदिन आयोजित हवन, मूर्ति प्राण- प्रतिष्ठा सहित धार्मिक अनुष्ठान में भाग लिया एवं देश के अनेक राज्य से सम्मिलित हुए संत महात्माओं के दर्शन किए। उन्होंने सेवा समाज ट्रस्ट द्वारा आयोजित महोत्सव में आवास प्रवास, एवं अतिथि सत्कार सहित अच्छी व्यवस्थाओं के लिए साधुवाद दिया खुब प्रशंसा की। महोत्सव की अंतिम दिन कर्नाटक जाट समाज का मदुरै सेवा समाज ट्रस्ट द्वारा मंच पर माला, साफा, माताजी का दुप्पटा पहनाकर सम्मान किया। इस दौरान ट्रस्ट अध्यक्ष मोहनलालजी चौधरी, उपाध्यक्ष हुकमसिंहजी दहिया, सभा अध्यक्ष जुहारसिंहजी, ओमप्रकाश चौधरी, कर्नाटक जाट समाज के अध्यक्ष गणपतलालजी चौधरी, भवरलालजी, कालूरामजी, रविप्रकाशजी, धनारामजी, रतनलालजी सहित जनसमूह मौजूद रहा। यह जानकारी सह सचिव ओमप्रकाशजी चौधरी ने दी।

नवागढ़ में बह रही है भक्ति की बयार

16 दिवसीय अरिष्ट निवारक शांतिनाथ विधान का दिव्य आयोजन

नवागढ़,ललितपुर. शाबाश इंडिया

प्रागैतिहासिक तीर्थक्षेत्र नवागढ़ की पुण्यधरा पर इन दिनों भक्ति और साधना की सुरभित बयार बह रही है। तीर्थक्षेत्र में चल रहे 16 दिवसीय अरिष्टनिवारक शांतिनाथ विधान का ब्र. जयकुमार निशांत भैया जी के निर्देशन में आयोजन श्रद्धा, आस्था और उत्साह के साथ किया जा रहा है। यह विधान 28 मई से 12 जून 2025 तक चलेगा। कमेटी के प्रचारमंत्री डॉ सुनील संचय ने बताया कि आयोजन स्थल पर प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु एकत्र होकर पूजन, अर्घ्य, स्तवन और आराधना में लीन हो रहे हैं। इस विशेष विधान का शुभारंभ मंगलाचरण, कलश यात्रा और शांतिधारा के साथ हुआ, जिसमें महिला मंडल, युवा वर्ग और वरिष्ठ नागरिकों ने पूरे श्रद्धाभाव से सहभागिता की। प्रतिदिन प्रातःकालीन पूजन विधि, विधानाचार्य ब्र. पारस भैया, ब्र. संतोष भैया के निर्देशन में मंत्रोच्चारण के साथ सम्पन्न हो रही है। साथ ही प्रतिदिन प्रवचन, सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए जा रहे हैं। **विधान के प्रमुख उद्देश्यः** निर्देशक ब्र. जयकुमार निशान्त ने बताया कि इस विधान के माध्यम से भगवान शांतिनाथ की आराधना कर जीवन में शांति, समृद्धि और संयम की स्थापना का लक्ष्य रखा गया है।श्री शांतिनाथ भगवान का यह अनुष्ठान श्रद्धालुओं के लिए आध्यात्मिक ऊर्जा का स्रोत बन रहा है और जनमानस में नवचेतना का संचार कर रहा है।